an>

Title: Need to declare Bundelkhand as organic farming area.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): अध्यक्ष महोदया, मैं बुन्देलखण्ड के किसानों से संबंधित एक विषय सदन के सामने रखना चाहता हूं।

महोदया, मैं प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार प्रकट करता हूं कि उन्होंने किसानों की आमदनी को वर्ष 2022 तक दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में, उत्तर प्रदेश की नवनिर्वाचित सरकार ने भी प्रधानमंत्री जी के निर्देशन में वहां के किसानों का कर्ज माफ किया है। साथ ही, उन्होंने वहां 80 लाख मीट्रिक टन अनाज सीधे किसानों से खरीदने का जो निर्णय लिया है, वह किसानों के हित में है और उनकी आमदनी बढ़ाने के हित में है।

मैं आपके माध्यम से एक विशेष आग्रह करना चाहता हूं। पहले भी सदन में यह मांग मैंने उठाई है कि अगर बुन्देलखण्ड को सिक्किम की तरह, पूर्ण रूप से आर्गेनिक फार्मिंग के आधार पर विकसित किया जाए तो मेरा मानना है कि जैसे हरित क्रान्ति के बाद यूरिया एवं डी.ए.पी. की स्थिति बनी, इसी प्रकार श्वेत क्रांति के बाद भी परम्परागत पशु पालन सिलवाड़ हुआ और गाय की देसी नस्ल का क्षरण हुआ, उसमें सुधार हो सकता है। आपके माध्यम से सरकार से मेरा आग्रह है कि बुन्देलखण्ड में खाद पर जो सब्सिडी दी जाती है, वह सब्सिडी जैविक खाद, गोबर खाद पर दी जाए, जैविक खेती के प्रमोशन पर दी जाए। चूंकि वहां अन्ना प्रथा की समस्या भी है, इसलिए वहां गाय पालने वालों को प्रतिमाह एक हजार रुपये और बैलगाड़ी रखने वाले एवं हल से खेती करने वालों को दो हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएं। इससे बुन्देलखण्ड के किसानों की आमदनी दोगुनी हो सकती है और उनका जीवन संवर सकता है, जो भारत सरकार की नीति भी है।

माननीय अध्यक्ष: श्री भैरों प्रसाद मिश्र और श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा को कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।